12.20 hrs.

RE. REPORTED MURDER OF LALA JAGAT NARAIN, FORMER M.P. AND MANAGING DIRECTOR OF HIND SAMACHR, JULLUNDER.

श्री मनीराम बागड़ी : (हिसार) अध्यक्ष जी, मैंने नियम 388 के अन्तर्गत आपके पास नोटिस दी है.... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ज्यादा बोलने से नहीं, ठीक बोलने से बात सुनी जाती है।

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी, यह सारे सदन की बात है, इसमें सरकार और अपोजीशन की कोई बात नहीं है। जनतंत्र में जिन्दगी चाहे इधर की हो, उधर की हो, चाहे किधर की भी हो, समूचे राष्ट्र की जिन्दगी होती है। लाला जगत नारायण 82 साल के थे, आजादी की लड़ाई में जर्नेल थे और अध्यक्ष जी, आपके प्रान्त के थे। वहां पर ये कांग्रेस सरकार के मंत्री रहे, दोनों वक्त में, और राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वे एक बहुत बड़े समाजसुधारक एवं लेखक थे। 82 साल की उम्र में उनकी जिन्दगी का खातमा, किसी पैसे या चरित्र के कारण नहीं, जन सेवा की लेखनी के कारण हुआ है। भारत में अगर इस प्रकार से अपने विचार प्रकट करने पर किसी को कत्ल किया जायेगा तो फिर न जनतंत्र रहेगा और न जमूहरियत रहेगी। जितने भी हमारे बुजुर्ग लोग हैं किसी भी पार्टी के ...(व्यवधान) मैं भी हूं...(व्यवधान) यह बड़ी गम्भीर चिन्ता की बात है, गांधीजी की हत्या लाला जगत नारायण की हत्या इस किस्म की हत्याओं से समूचे राष्ट्र और सभी पार्टियों के नेताओं की जिन्दगी खतरे में हैं इस लिए मैं चाहूंगा इसके ऊपर पूरी तरह से विचार हो, यह लोक सभा मुकम्मल तौर पर इस घटना की निन्दा करे और समूचे देश में यह आवाज पहुंचे।

MR. SPEAKER: Have you any other point?

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): इसी सम्बन्ध में मैं सुझाव के रूप में जोड़ना चाहता हूं कि इस हाउस की तरफ से निन्दा का प्रस्ताव पास होना चाहिए, जिन्होंने भी ऐसा अपराध किया है उनके खिलाफ।

मैंने एक दूसरी नोटिस भी दी है कि आज से कुछ दिन पहले इस सदन में गंगा के पानी...

MR. SPEAKER: Not allowed.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इसका जबाब दे दिया है सारा का सारा। नहर चलती रहती है, उस में हाथ अड़ा नहीं सकते है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, लाला जी संसद् के पुराने सदस्य थे। उनकी हत्या करने वालों के सम्बन्ध में जो समाचारपत्रों में छपा है उस से ऐसा लगता है कि निरंकारी बाबा की हत्या जिन लोगों ने की थी, जो पंजाब में शरण ले रहे हैं वे, वही इस में शामिल हैं। दिल्ली के ले० गवर्नर ने पंजाब सरकार को लिखा कि जो भाग गए हैं उनको पकड़ने में मदद दें। (व्यवधान) यह केन्द्रीय सरकार जिम्मेदार है लालाजी की हत्या के लिए...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इस मामले पर किस तरह से बहस होगी ?

MR. SPEAKER: I will consider it. We will look into it.

(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठिए, क्या कर रहे हैं ?

Order please; one by one.

SHRI NIREN GHOSH: (Dum Dum): Let them bring out the facts. Let them bring the culprits to book. Mr. Speaker, I request you to issue a direction.

(*Interruptions*)

SHRI R. S. SPARROW (Jullundur): Sir, Lala Jagat Narain has been murdered. He was an eminent and notable writer and journalist as also an old freedom fighter. The murder, as it appears, seems to be motivated politically and we have to condemn that after we hear what the hon Minister has to say in this case. So, I have given a Calling Attention Notice for your consideration.

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR (Haminpur): Sir, I object to the remarks of Shri Atal Bihari Vajapyee that the Central Government is responsible for the murder of Lala Jagat Narain. This should be expunged.

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर): अध्यक्ष जी, लाला जगत नारायण जी की हत्या का समाचार बहुत ही दुःखद और गम्भीर है। अभी इसके बारे में...

अध्यक्ष महोदय: आप कोई और बात कहना चाहते हैं?

श्री हरिकेश बहादुर: ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि गढ़वाल के चुनाव में...

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Not allowed.

(*Interruptions*)*

अध्यक्ष महोदय: मैं आपकी बात सुनूंगा। आप बैठिए। बात खत्म हो गई, आपने फिर उसको बढ़ा दिया। आप बैठते क्यों नहीं है।

It should not form part of the record. I did not allow him.

(*Interruptions*)*

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: (Badagara): Sir, you are aware of, more than anything else, the great contribution that Lala Jagat Narain has made for our country. He was a freedom fighter. I would therefore request you to direct the Home Minister to make a statement today itself about the whatever evidence that he has and whatever information that he has must be shared with the House.

श्री राम लाल राही (मिसरिख): अध्यक्ष जी, सम्मानीय लाला जगत नारायण की हत्या के सम्बन्ध में...

अध्यक्ष महोदय: इस विषय में सारी बात आ गई है।...

श्री राम लाल राही: मैने एडजार्नमेंट मोशन दिया है। मैं कहना चाहता हूं कि सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। निरन्तर ऐसे सम्मानित पत्रकारों और समाज सेवियों की हत्यायें हो रही हैं। मैं मांग करता हूं कि..

अध्यक्ष महोदय: हो गई आपकी मांग।

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Not allowed. No adjournment motion is allowed.

(*Interruptions*)*

PROF. K. K. TEWARY (Buxar): Sir, my point is that I have given a Caling Attention Notice about the two State Government declaring war with the Central Government.

MR. SPEAKER: Not allowed. You come to me.

*Not recorder.

SHRI INDRAJIT GUPTA: (Basirhat): Sir, I gave you a notice of an urgent matter. I would like to know what action Government is taking about the report which appeared in the newspapers that currency notes are being circulated in the name of Khalistan. (*Interruptions*). I want to know what the position is and what the Government is doing about it. It is serious matter (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: This is also connected with this thing.

SHRI INDRAJIT GUPTA: Not connected with this. (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: It is very much connected. This is one of the corollaries.

(*Interruptions*)

श्री बी० एस० निहालसिंहवाला (संगरूर) : अध्यक्ष जी, लाला जी का कत्ल यह जाहिर हो चुका है कि उस में कौन हैं। इसके अलावा सब को यह पता है कि कौन सी पोलिटिकल पार्टीज पंजाब में हैं, उनकी मदद करती हैं तथा किसके साथ संबंध हैं। लाला जी का कत्ल कोई मामूली कत्ल नहीं है, एक साजिश है और पोलिटिकल साजिश है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उतावले क्यों हो रहे हैं, शास्त्री जी। सारे ही सज्जन हैं, मैं सब को एक साथ नहीं बुला सकता।

श्री बी० एस० निहालसिंहवाला : मैं आप की नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं—थोड़े दिन हुए पंजाब गवर्नमेंट ने एक नोटिफिकेशन निकाला था कि फलां-फलां प्रोहिबिटेड बोर के लाइसेंसिज सब जमा करा दें। तमाम लोगों ने जमा कराये, लेकिन कुछ लोगों ने ऐलानिया कहा कि हम जमा नहीं करवायेंगे। उनके पास वे असलाह अभी भी मौजूद हैं और उन्होंने जमा नहीं करवाये हैं। . . .

एक माननीय सदस्य : वे कौन हैं ?

श्री बी० एस० निहालसिंहवाला : सारी दुनिया को पता है, उनका सम्बन्ध अकाली पार्टी के साथ है, उनका पोलिटिकल सम्बन्ध अकाली पार्टी से है। . . . (व्यवधान) . . . उनके पास अभी भी असलाह हैं और ये लोग भी उनके साथ ताल्लुक रखते हैं। मैं चाहता हूं कि इस कान्स्पीरेसी की पूरी तरह से इन्वेस्टीगेशन होनी चाहिए।

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : लाला जगत नारायण की हत्या के सम्बन्ध में. . . .

अध्यक्ष महोदय : कोई नई बात बतलाइए, इस पर तो जब डिस्कशन होगा तब बोलियेगा।

श्री रामावतार शास्त्री : आप किसी की सुनते नहीं हैं, मैं बोल रहा हूं मुझे सुनिए तो सही। मुझे मेरी बात पूरी करने दीजिए। यह पोलिटिकल मर्डर का सिलसिला पूरे हिन्दुस्तान में चालू हो गया है। उस पर बहस होनी चाहिए—यही मैं कहना चाहता हूं।

श्री कृष्ण कुमार गोयल (कोटा) : मैं इस विषय में कुछ ज्यादा नहीं कहना चाहता, केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि लाला जी लगातार. . . .

अध्यक्ष महोदय : इस को बाद में देखेंगे—

I know much more than that.

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला) : राजनीतिक हत्यायें और प्रतिक्रियायें—जैसे, अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में एक पत्र लिखा है . . . .

अध्यक्ष महोदय : मैंने देखा है—

Anything new I have already taken action on that.

श्री जयपाल सिंह कश्यप : जो धमकी भरे पत्र आये हैं, मैंने उनके बारे में लिखा है...

MR. SPEAKER: Now, let me make my statement.

SHRI N. K. SHEJWALKAR (Gwalior): I am on a point of procedure, Sir. I am backbencher. I have not loud voice. People give notices. I do not know what is the procedure you are adopting in allowing the people here to speak. People who have not even given Adjournment Motion have been allowed to speak.

MR. SPEAKER: I was just allowing them on a point of order. I will stop all of them, if you like.

SHRI N. K. SHEJWALKAR; What I want to say is that at least allow those who have given Adjournment Motion to speak first. Afterall, you have got the list of persons who have given you the Adjournment Motion notice.

MR. SPEAKER: You come to me I will tell you what it is. Your name is there. You must realise the gravity of the situation, Sir, Mr. Shejwalkar, you must understand what it is.

I have received notices of Adjournment Motion from:

Shri T. S. Negi
Shri R. L. Rahi
Shri Ram Vilas Paswan
Shri Satish Agarwal
Shri Harikesh Bahadur
Shri Bapusaheb Parulekar
Shri K. K. Goel
Shri George Fernandes
Shri Mani Ram Bagri
Shri N. K. Shejwalkar

on the gruesome murder on the Ludhiana-Jullundur highway of one of our very leading journalists, Shri Jagat Narain, who was a former Member of Parliament and Managing Director of Hind Samachar, Jullundur. It is shocking that, according to Press reports, he should have fallen a victim at the hands of assailants who want to spoil the peace, harmony and integrity, which has existed in this ancient and holy land of ours and which has had the good fortune of being nurtured in values of spirit and soul by innumerable saints of each and every religion here. This is a dastardly act by reportedly anti-national men of extremist belief which are contrary to the traditions of the country and no words can be too strong to condemn such dastardly acts which are a crime against secular, democratice polity and against also the freedom for which our forefathers and mertyrs toiled and gave their lives. This is too precious for us to loss like this.

I am sure the House will join me in this sense of sorrow.

I will also ask the Home Minister to make a statement on the floor of this House.

(*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIH): This dastardly act, as you have correctly described it has got a ramification which disturbs the political life of our country. Our Home Minister has lost no time in going to that area, and he has gone there He has had a talk with the people concerned, and he has come back. Whatever are your directions, I will convey them to the Home Minister—to make a statement on this.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कब होगा ?

MR. SPEAKER: Let the statement come.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: स्टेटमेंट पर सवाल करने की इजाजत होगी ? Then you will quote the rules and will not allow Members even to ask for a clarification.

अध्यक्ष महोदय : वह बाद में कर लेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आप इस पर कालिंग एटेंशन एडमिट कर लीजिए।

अध्यक्ष महोदय : आप ने कहा और मैंने आप की बात मान ली।

(व्यवधान)

बाद में करेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : बाद मे कैसे होगा।

अध्यक्ष महोदय : रूल्स के हिसाब से चलेंगे। उन से पूछ लेंगे कि किस तरह से हो सकता है।

श्री जार्ज फर्नान्डीस (मुजफ्फरनगर) : बहस करने के लिए मौका दीजिए।

श्री राम विलास पासवान : इस पर कालिंग एटेंशन ले लीजिए। मिनिस्टर साहब को भी कहने का पूरा मौका रहेगा। . . . **(व्यवधान)** . . .

अध्यक्ष महोदय : श्रीमती राम दुलारी सिन्हा।

12.17 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

ANNUAL ACCOUNTS OF CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING, NEW DELHI FOR 1979-80, ANNUAL REPORT AND REVIEW OF BOARD OF PRACTICAL TRAIN-DELHI FOR 1979-80, ANNUAL REPORT AND 1979-80, ANNUAL ACCOUNTS OF VISVA-BHARATI, SANTINIKETAN FOR 1979-80, ETC. ETC.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRIMATI SHEILA KAUL): I beg to lay on the Table:—

(1) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Centre for Cultural Resources and Training, New Delhi, for the year 1979-80 along with Audit Report thereon. [*Placed in Library. See* No. LT-2793/81]

(2) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Board of Practical Training Eastern Region, Calcutta, for the year 1979-80 along with Accounts and the Audit Report thereon.

(ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government on the working of the Board of Practical Training, Eastern Region, Calcutta, for the year 1979-80.

[*Placed in Library, See* No. LT-2794/81]

(3) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of Visva-Bharati, Sanitineketan, for the year 1979-80 along with the Audit Report thereon.

(4) A statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the documents mentioned at (3) above.

[*Placed in Library. See* No. LT—2795/81]